Paper - 4

CLASS 10th | SUBJECT हिन्दी
ROLL NO. | DATE

I

1) 'अपना' शब्द का विलोम शब्द है :
=) A) पराया

2) निम्न लिखित मे से स्त्री लिंग के लिए उदाहरण है :-
=) C) शिक्षिका

3) रमेश कलम पत्र लिखता है। रिक्त स्थान मे सही कारक होगा।
=) d) को

4) 'लिखना' शब्द का प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया रूप है।
=) B) लिखाना

5) 'गिरीश' शब्द का ~~इस~~ संधि के लिए उदाहरण है
-) c) दीर्घ संधि

6) 'चट्टान' शब्द का अन्य वचन रूप है -
-)

7) 'चक्रपाणी' शब्द में समास है।
=) A) बहुव्रीहि

8) पं. राजकिशोर कहाँ रहते थे इस वाक्य के लिए उपयुक्त विराम
=) B) प्रश्ना र्थक

II

9) गिरि : पहाड़ :: वारि : पानि
10) जलालुद्दीन : जीजा :: शम्सुद्दीन : चचेरे भाई

chandra's

11) कर्नल : स्कूलर :: मेजर : ~~हृद~~ कुमार
12) भगवतमोहन : राजमहल : वस्तु संग्रहालय :: सेंट फिलोमिना : चर्च

III

13) प्रेमचंदजी का मन क्यों ललचा उठा?
-> रंगबिरंगी सेब देखकर प्रेमचंदजी का मन ललचा उठा।

---

14) गिलहरी का प्रिय खाद्य क्या था?
-> गिलहरी का प्रिय खाद्य काजु था।

---

15) पाप का मूल क्या है?
-> पाप का मूल अभिमान है।

---

16) चुटकी दे-देकर हसने वाले कौन थे?
-> चुटकी दे-देकर हसने वाले ग्वाल मालक थे

IV

17) कश्मीरी सेब पाठ मे लेखक पाठकों को क्या संदेश देना चाहते है?

-> लेखक अपना अनुभव बताते हुए पाठकों को सचेत करते है कि अगर खरीदारी करते समय सावधानी नही बरते तो धोखा खाने की संभवना होती है।

---

18) दिनकर जि के अनुसार मानव का सही परिचय क्या है?

-> दिनकर जि के अनुसार जितनी भी भौतिक प्राप्ती प्राप्त करले पर उसका परिचय नही, उसका सही परिचय है कि वह मनुष्य हृदय पर जीत प्राप्त करे तथा मानव से मानव के बीच जो रुकावटे, द्वेष

बुराइयाँ हैं उन्हें मिटाएँ। तभी वह ज्ञानी तथा विद्वान कहला जाएगा।

19. प्रताप राजकिशोर के घर क्यों आता है?

= बसंत ने पंडित राजकिशोर को छलनी बेची थी। वह प्रताप का भाई था। बसंत बाजार से नोट भुनाने गया था तभी वह दुर्घटना ग्रस्त हो गया। इसलिए प्रताप राजकिशोर के चिल्लर था पैसे वापस लौटाने के लिए उनके घर आया था

20. लेखक को भेजे गए निमंत्रण पत्र में क्या लिखा था?

लेखक को भेजे गए निमंत्रण पत्र में यह लिखा था कि हम लोग इस शहर में एक ईमानदार सम्मेलन कर रहे हैं। आप देश के प्रसिद्ध ईमानदार हैं। हमारी प्रार्थना है कि आप इस सम्मेलन का उद्घाटन करें। हम आपके लिए आने जाने का किराया, आवास भोजन आदि की उत्तम व्यवस्था करेंगे। आपके आगमन से ईमानदारों तथा उदियमान ईमानदारों को बड़ी प्रेरणा मिलेगी।

21. समय का सदुपयोग कैसे करना चाहिए?

समय का सदुपयोग का मतलब है सही समय पर सही काम करना समय बहुमूल्य एवं उपयोगी होता है। समय का मूल्य जिसने समझ लिया। वही व्यक्ति अपने काम में सफल हो सकता है। इसलिए आलस को

छोड़कर बिना किसी बहाने के काम को समय पर भी पूर्ण करना चाहिए कल के ऊपर नहीं छोड़ना चाहिए। किसी को पता नहीं कि कल आएगा य नहीं

22) एवरेस्ट की चोटिपर पहूँचाकर बिछेंद्रि ने क्या किया?

→ एवरेस्ट की चोटि पर पहुँचकर बिछेंद्रि ने पहले बर्फ कि खुदाई कर कर अपने आपको सुरक्षित रूप से स्थिर किया। इसके बाद मे अपने घुटनों के बल बैठी। सगर माथे के ताज का चुंम्बन किया। बिना उठे हि उन्होने उनकी थैल से हनुमान चालीसा और दुर्गा माँ का चित्र निकाला। लाल कपड़े मे लपेट करके छोटी सी पूजा भी की। इनके बर्फ मे डबादिया।

23) शनि सौरमंडल का सबसे सुंदर ग्रह है। कैसे?

→ शनि के चारों ओर वलय (गोल) है। शनि के इन वलयों या कंकणों ने इस ग्रह को सौर मंडल का सबसे सुन्दर एवं मनोहर ग्रह बनाया है। इसलिए शनि सौर-मंडल का सर्वाधिक सुन्दर ग्रह है।

अथवा

शनि को शनैश्चर क्यों कहा गया है?

शनैचर का अर्थ होता है की धीमी गती से चलने वाला।

CLASS | SUBJECT
ROLL NO. | DATE

सत्य के बारे में गाँधीजी का कथन क्या है?

२५६

सत्य कि शक्ति के बारे में गाँधीजी का कथन
→ है- "सत्य एक विशाल वृक्ष है। उसका जितना आदार किया जाता है; उतने ही फल उसमें लगते हैं। उनका अंत नहीं होता।"

अथवा

सत्य का रूप कैसा है?

सत्य दृष्टि का प्रतिबिंब है. ज्ञान का प्रतिलिपी है. आत्मा की वाणी है।

V
25६ भारत माता का स्वरूप कैसा है?

→ मातृभूमि अपने एक हाथ में न्याय का झंडा और दूसरे में ज्ञान का दीप लिए सबको सही रास्ते पर चलने को प्रेरित कर रही है। उसके हृदय में अनेक महान विभूतियाँ महात्मा गांधी, बुद्ध और राम का वासा है। वह अपनी गोद में पल रहे बच्चों को परस्पर सहयोग से रहने के लिए प्रेरणा दे रही है।

२६६ नमाज़ के बारे में जैनुलबदीन क्या कहते हैं?

→ नमाज़ के बारे में जैनुलबदिन अब्दुल कलाम जी से कहते थे कि "जब तुम नामाज पढ़ते हो तो तुम अपने शरीर से इतर ब्रह्मांड का एक हिस्सा बन जाते हैं जिसमें दौलत आयु जाति या धर्म का कोई भेदभाव नहीं होता।

ARUN'S

27. बसंत ईमानदार लड़का है। कैसे?

-) बसंत स्वाभिमान और ईमानदार लड़का था। वह मेहनीय से पैसे कमाना चहता था। इसलिए उसने पंडित राजकिशोर से दया की भीख लेने में इनकार किया। जब वह नोट भुनाने गया तब लौटते समय मोटर के नीचे आ गया। और बुरी तरह से घायल होने पर भी वह अपने भाई प्रताप को पैसे लौटने पंडित राजकिशोर के पास भेजना है।

28. इंटरनेट से क्या-क्या लाभ है?

-) इंटरनेट द्वारा पल भर मे बिना ज्यादा खर्च किया कोई भी विचार हो स्थिर चित्र हो. विडियो चित्र हो दुनिया मे किसि भि कोने मे भेजना मुमकिन हो गया है। इंटरनेट आधुनिक जीवन का महत्व पूर्ण अंग बन गया है। शायद इसके बिना संचार व सूचन दोनों ही क्षेत्र ठप पड जाते है। व्यापार मे इंटरनेट द्वारा घर बैठे-बैठे खरीदारी कर सकते है। कोई भी बिल भर सकते है। बैंकिंग मे इंटरनेट द्वारा दुनिया कि किसी भी जगह पर चाहे जितनी भी रकम भेजी जा सकती है।

29. दक्षिणी शिखर चढते समय बिछेंद्री का अनुभव कैसा था?

दक्षिण शिखर के ऊपर हवा की गति बढ गयी थी। उस ऊंचाई पर तेज हवा के झोंके भर भरे बर्फ के कणों को चारो तरफ

उड़ा रहे थे जिससे कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। उन्होंने कि थोड़ी दूर तक कोई ऊँची चढ़ाई नहीं है। ढलान एकदम सीधी नीची चली गई है। उनकी साँस एकदम रुक गई थी। उनको लगा की सफलता बहुत नजदीक है।

30. कृष्ण अपनी माँ से क्या-क्या शिकायत करता है?

→ बालकृष्ण अपनी माता से बलराम के प्रतीक यहा शिकायत करते है की बलराम मेरे को चिड़ाता है की तु काला है तुझे यशोदा ने जन्म नहीं दिया है बल्कि खरीद लिया है। देखो तुम तो काले हो और वे दोनो गोरे है। यह सुनकर मेरे सब ग्वाल-बाल चुटकि बजा बजाकर मुझे देखकर हँसते है। यह सब उन्हों बलराम ने ही सिखाया है।

31. कर्नाटक की शिल्पकला अद्भुत है। स्पष्ट कीजिए।

→ कर्नाटक की शिल्पकला अनोखी है। बदामी से होल, पट्टद कल्लु के मंदिर की शिल्पकला और वास्तुकला अद्भुत है। बेलूर। हलेबीडु सोमनाथपुर के मंदिर में पत्थर की मूर्तियां सजीव लगाती है। यहाँ के मूर्तियाँ रामायण महाभारत की कहानियाँ सुनाती है। श्रवणबेलगोल मे 57 फूट ऊँची गोमटेश्वर की एकशिला की प्रतिमा है। यह त्याग और शांति का संदेश दे रही है।

32

मुखिया मुख सों चाहिए, खान पान को एक।
पालै पोसै सकल अंग, तुलसी सहित विवेक।।

प्रस्तुत दोहे मे तुलसीदास मुख अर्थात मुँह और मुखिया दोनों के स्वभाव की समानता वर्णित हुआ लिखते है कि मुखिया को मुँह के समान होना चाहिए। मुँह खाने-पीने का काम अकेला करता है, लेकिन वह जो खाता-पीता है। उससे शरीर के सारे अंगों का पालन-पोषण करता है। तुलसी की राय मे मुखिया को भी ऐसे ही विवेकवान होना चाहिए कि वह काम अपनी तरह से करें लेकिन उसका फल सभी में बाँटे।

---

34 ~~कलिके वर्माजी को~~
महदेवी वर्माजी को गिल्लू से ज़्यादा लगाव था। कैसे?

-१ महदेवी वर्मा को पशु-पक्षियों से अत्यंत प्रेम था। उन्होंने एक छोटे से जीव गिलहरी के बच्चे के प्राण बचाए थे। वह लेखिक से अत्यंत हुलमिल गया था। लेखिका को घर के अन्य पशु पक्षियों से ज्यादा गिलहरी से लगाव था। उसकी पूरे दो साल तक देखभाल की थी इस तरह हम कह सकते है कि गिल्लू के प्रति महदेवी वर्मा के ममता अपार थी।

-: अथवा :-

गिल्लू के कार्य कलापों के बारे में लिखिए।

-१ लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू उनके पैर तक आकर सर से पर्दे पर चढ़ता उतरता है। भूख लगने पर चिक चौक की आवाज करता है।

वर्षों तक गिल्लू उस में रहा। वह स्वंय हिला कर अपने घर में झूलता और कार्यकलापों पर सबको आश्चर्य होता था। वह खिड़की की खुली जाली की राह से बाहर चला जाता और दिन पर गिलहरियों के झुंड का नेता बना हर डाल पर उछलता कूदता रहता और ठीक 4:00 बजे व खिड़की से भीतर आकर अपने झूले में झूल ने लगता।

33(

कर्नाटक में कन्नड़ भाषा बोली जाती है। इसकी राजधानी बेंगलूरु है। यहाँ देश-विदेश के लोग आकर बस गए है।

ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಕನ್ನಡ ಭಾಷೆ ಮಾತನಾಡುತ್ತಾರೆ ಇದರ ರಾಜಧಾನಿ ಬೆಂಗಳೂರು. ಇಲ್ಲಿ ದೇಶ ವಿದೇಶದ ಜನ ಬಂದಿದ್ದಾರೆ.

(36)

असफलता एक चुनौती है इसे स्वीकार करो
क्या कमि रह गई देखो और सुधार करो
जब तक ना सफल हो निंद चैन को त्यागो तुम
संघर्ष का मैदान छोड़कर मत भागो तुम

CLASS | SUBJECT
ROLL NO. | DATE

VII 36

भारत में अनेक दर्शनीय स्थान है। दक्षिण भारत में हंपी उनमें से एक है। बारहवीं शताब्दी में यह विजयनगर राज्य का केन्द्र था। यहाँ अनेक मंदिर है। जिसमें रामस्वामी विजय विठ्ठल और विरूपाक्ष मंदिर प्रमुख है। यह प्राचीन शिल्पकला के लिए प्रसिद्ध है। बिजापुर को राजाओं से उसका नाश हुआ था। अब केवल अवशेष मात्र है।

क) हंपी भारत के किस भाग में है?
=) हंपी भारत के दक्षिण भाग में है।

ख) हंपी किस साम्राज्य का केंद्र था?
=) हंपी विजयनगर साम्रज्य का केंद्र था।

ग) हंपी में प्रमुख देवालय कौन से है?
-) रामस्वामी, विजय विठ्ठल और विरूपाक्ष देवालय है।

घ) हंपी क्यों प्रसिद्ध है?
-) हंपी प्राचीन शिल्पकला के लिए प्रसिद्ध है।

VIII

निबंध

: जनसंख्या की समस्या :-

(37)

विषय प्रवेश

भारत क्षेत्रफल की दृष्टि से सातवां बड़ा देश है परंतु जनसंख्या की दृष्टि से दूसरे स्थान में है तेजी से बढ़ती हुआ जनसंख्या के कारण सारी योजनाएँ विफल होती जा रही है। समस्याएँ उत्पन्न हो रही है। इसलिए यह एक गंभीर बन गई है।

STUDENT'S NAME
CLASS | SUBJECT
ROLL NO. | DATE

जनसंख्या की वृद्धि के कारण :

- ★ जनन दर में वृद्धि और मृत्यु दर में कमी।
- ★ परिवार नियोजन जैसे उपायों को सामान्यतः अच्छी नजर से नहीं देखा जाता है।
- ★ उत्पादन की वृद्धि में जन शक्ति को अधिक महत्व देना।
- ★ अशिक्षा, अशिक्षित लोगों को इस बात का ज्ञान नहीं है कि छोटे परिवार के क्या फायदे हैं।
- ★ जनसंख्या को नियंत्रण करने के लिए सरकार द्वारा जानेवाले उपायों के असफल होने का कारण और परिवार-नियोजन प्रवेश उपचारों को अपनाने के प्रति विशेष उत्साह नहीं दिखाने के कारण आदि

परिणाम :-

- ★ जनसंख्या के विस्फोट के कारण देश प्रगति कुंठित होती है।
- ★ कितनी भी महत्वाकांक्षी एवं सुविचारित योजनाएँ अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाते हैं।
- ★ जनसंख्या विस्फोट के कारण बेकारी की समस्या में भी वृद्धि हुई है।
- ★ जनसंख्या की वृद्धि से अपराधों में वृद्धि हुई है तथा पर्यावरण की समस्या उत्पन्न हो गई है।

उपसंहार :

- ★ हमारे देश विकास में जनसंख्या की वृद्धि एक बहुत बाधा है यातायात, शिक्षा, रोजगार आदि विविध क्षेत्रों में जनसंख्या की वृद्धि सिरदर्द बन गया है।
- ★ इस समस्या से छुटकारा पाने का एक ही उपाय है - देश का प्रत्येक नागरिक इस समस्या का हल करने में सहायक हो।

NJS

CLASS | SUBJECT
ROLL NO. | DATE

(38)

प्रेषक
तेजस्वी. दास
10 वी कक्षा 'आ' विभाग
सरकारी हाईस्कूल
चित्रदुर्ग

दिनांक: ~~18~~ 7.5.2020

<u>सेवा में</u>:
प्रधानध्यापक
सरकारी हाईस्कूल
चित्रदुर्ग -

आदरणीय महोदय

विषय : छुट्टी के लिए प्रार्थना पत्र।

उपर्युक्त विषय के संबंध में मेरी ~~ब~~ अस्वस्थता से विद्यालय आने मे असमर्थ हूँ। ~~आज~~ आज दिनांक 7-5-2021 से 9-5-2021 ~~तक~~ तक दो दिन की छुट्टि देने की कृपा करो

सधन्यवाद

आप का आज्ञाकारी
छात्र।
तेजस्वी दास